

प्रोजेक्ट विधि

- इसे प्रोजेक्ट वर्क, परियोजना या प्रायोजना विधि भी कहते हैं।
- आज के समय में इस विधि का स्वरूप व्यापक हो गया है। इस विधि में 'करके सीखने' पर बल दिया जाता है।

इतिहास :- 'Project' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग USA के कोलम्बिया विश्वविद्यालय के प्रो. रिचर्डस (अभियांत्रिकी विभाग के HOD) द्वारा किया गया।

- * शिक्षा के क्षेत्र में Project शब्द का प्रयोग 'जॉन डिवी' ने किया। (सर्वप्रथम)
- * शिक्षा के क्षेत्र में प्रोजेक्ट विधि के प्रतिपादन या जनक या इस विधि के आविष्कारक के रूप में श्रेय जॉन डिवी के शिष्य विलियम हेनरी किलपैट्रिक को जाता है।
- * प्रोजेक्ट विधि को परिभाषित करने का श्रेय 'स्टीवेन्सन' को जाता है।

(Note) - जॉन डिवी, किलपैट्रिक व स्टीवेन्सन ये तीनों कोलम्बिया विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्री थे।

भारत में परियोजना विधि :-

- भारत में इस विधि को लाने का श्रेय 'महात्मा गांधी' को जाना है।
- * गांधीजी ने बुनियादी शिक्षा या बेसिक शिक्षा की संकल्पना दी।
- * गांधीजी द्वारा हस्तशिल्प की अवधारणा दी जो प्रोजेक्ट विधि का ही एक अंग है।
- * भारत में इस विधि का प्रयोग अग्रजनों द्वारा ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए पंजाब में (मोगा क्षेत्र) किया गया।

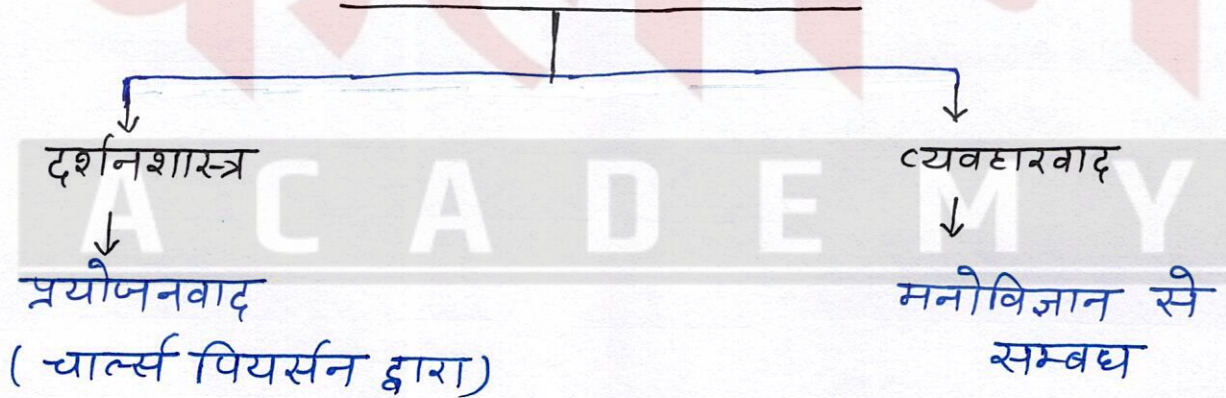
परिभाषाएँ :-

- * स्टीवेंसन के अनुसार :- प्रोजेक्ट एक समस्यात्मक कार्य है, जिसका समाधान उसके प्राकृतिक वातावरण में रहते हुए ही किया जाता है।
- * बेलाउ के अनुसार - प्रोजेक्ट वास्तविक जीवन का एक छोटा-सा अंश होता है, जिसे विद्यालय में सम्पादित किया जाता है।
- * पार्कर के अनुसार - प्रोजेक्ट कार्य की एक इकाई है, जिसमें छात्रों को कार्य की योजना और सम्पन्नता के लिए उत्तरदायी बनाया जाता है।
- * बिनिंग के अनुसार - वास्तविक जीवन जैसी परिस्थितियों में पूरा किया जाने वाला बालकों द्वारा आयोजित उद्देश्यपूर्ण कार्य परियोजना कहलाता है।

परियोजना विधि के आधारभूत सिद्धांत :-

- ① स्वतंत्रता का सिद्धांत
- ② यथार्थता / वास्तविकता का सिद्धांत
- ③ मनोवैज्ञानिकता का सिद्धांत
- ④ उद्देश्य आधारित सिद्धांत
- ⑤ करके सीखने या क्रियात्मकता का सिद्धांत
- ⑥ सामाजिकता का सिद्धांत
- ⑦ वैयक्तिक भिन्नता का सिद्धांत
- ⑧ उपयोगिता का सिद्धांत व मितव्ययता का सिद्धांत
- ⑨ समन्वयता का सिद्धांत

प्रायोजना का आधार



- प्रयोजनवाद की परियोजना का आधार माना गया है।

रुसी ने अपनी पुस्तक 'एमिल' में करके सीखने की महत्वपूर्ण बताया।

- * करके सीखना
 - * प्रयोग करके
 - * खोज करके
 - * अवलोकन करके
- ये रुसी ने बताया।

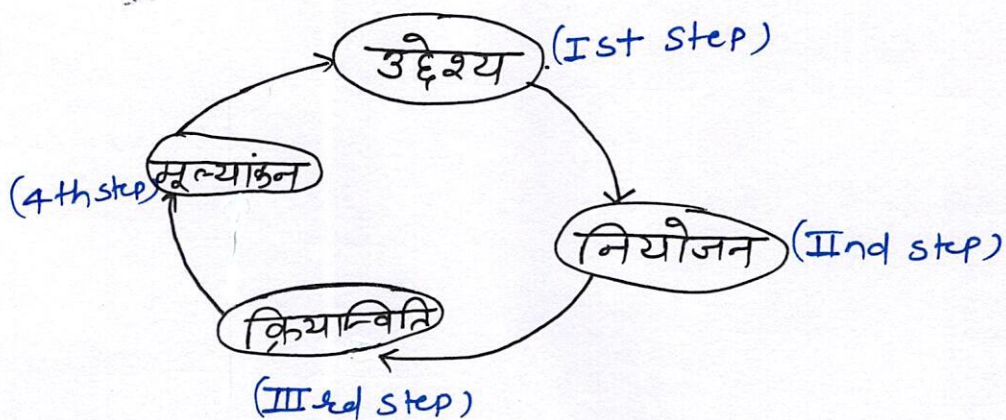
- * फ्राबेल ने क्रियाओं द्वारा सीखना बताया।
- * जॉन डिवी ने अनुभव द्वारा सीखना महत्वपूर्ण बताया।
- # प्रोजेक्ट का अर्थ - पूर्व निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की रूपरेखा या योजना की क्रियान्विति करना।
- # किल्पेट्रिक के अनुसार - प्रोजेक्ट सामाजिक वातावरण में पूर्ण संलग्नता से किया जाने वाला उद्देश्यपूर्ण कार्य है।

परियोजना विधि के सौपान

- किल्पेट्रिक के अनुसार → 4 सौपान

- ① उद्देश्य
- ② नियोजन / रूपरेखा
- ③ क्रियान्वयन / क्रियान्विति
- ④ मूल्यांकन

Note - इन्होंने इस विधि में रिकार्ड / लेखा-जीखा की भी महत्वपूर्ण माना है।



परियोजना विधि के सामान्य स्तूपान :-

- (A) परिस्थितियों का निर्माण ।
- (B) उद्देश्य निर्धारण करना। चयन करना ।
- (C) कार्य - योजना बनाना ।
- (D) क्रियान्वयन करना ।
- (E) मूल्यांकन करना ।
- (F) रिकॉर्ड (लेखा - जीखा) रखना ।

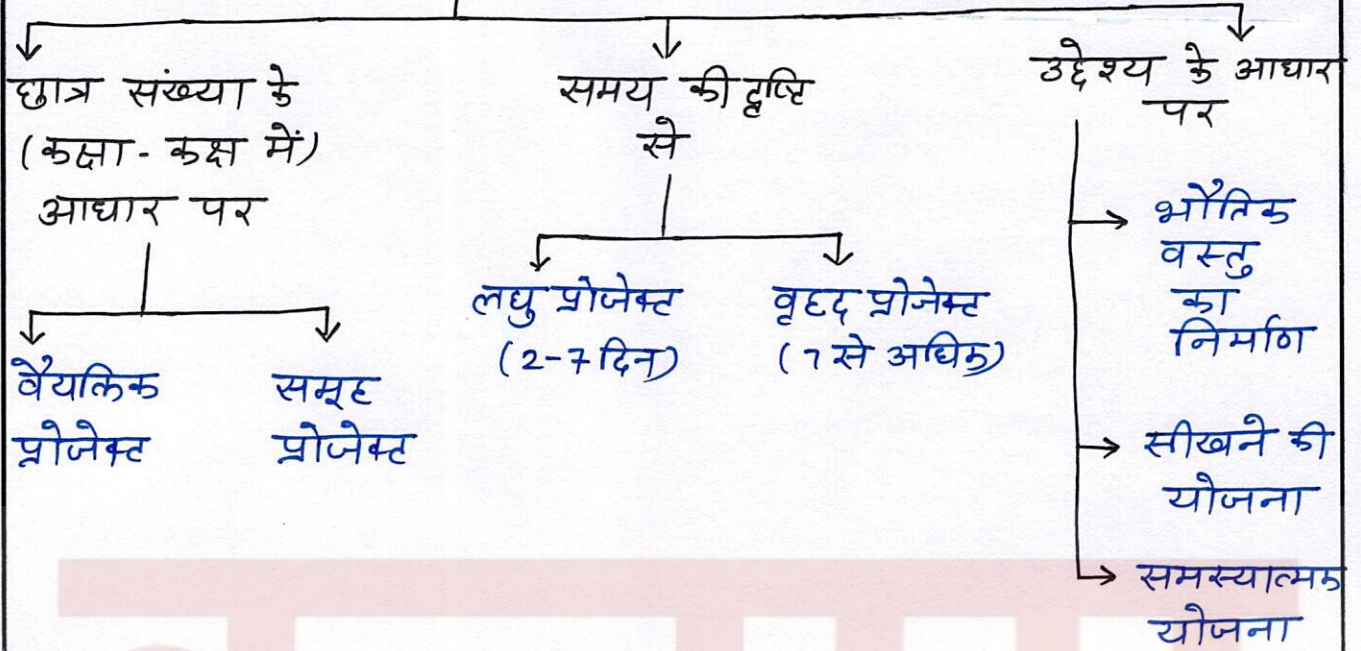
* इस विधि में शिक्षक, गैरों, सहयोगी व परामर्शदाता होता है व शिक्षार्थी सक्रिय व मुख्य भूमिका में होता है।

- इस विधि में परिस्थितियों का निर्माण शिक्षक द्वारा किया जाता है।
- इस विधि में मूल्यांकन का कार्य शिक्षक द्वारा किया जाता है।
- रिकॉर्ड या लेखा - जीखा विद्यार्थी द्वारा किया जाता है।

परियोजना विधि के गुण :-

- ① मनीषे जाणिकता
- ② प्रयोगात्मक एवं व्यावहारिक विधि
- ③ बाल - केन्द्रित विधि
- ④ प्रजातांत्रिक विधि
- ⑤ सामाजिक मूल्यों का विकास
- ⑥ स्पष्ट व स्थायी ज्ञान
- ⑦ वैज्ञानिक/क्रमबद्धता पर आधारित
- ⑧ वैयक्तिक भिन्नता पर आधारित।

प्रोजेक्ट के प्रकार



क्लिपैट्रिक के अनुसार प्रोजेक्ट :- 4 प्रकार

- ① उत्पादनात्मक / रचनात्मक :- चार्ट बनाना, चित्र बनाना, खिलौने बनाना, मॉडल बनाना।
- ② समस्यात्मक :- कोई समस्या देकर प्रोजेक्ट करवाया जाता है। जैसे- यदि विद्यार्थियों को कहा जाए की पृथ्वी की घूर्णन गति दुगुनी कर दी जाए तो क्या होगा? *(यह एक समस्यात्मक प्रोजेक्ट है।)*
- ③ अभ्यासात्मक :- इसे कौशलात्मक प्रोजेक्ट भी कहा जाता है। जैसे- तैरना, सिखना आदि।
- ④ रसास्वादन - इसे उपभोक्ता प्रोजेक्ट भी कहते हैं। जैसे- कविता पाठ करवाना।

थॉमस रिस्क ने तीन प्रकार के प्रोजेक्ट बताए -

- ① उत्पादनात्मक
- ② अधिगम
- ③ बौद्धिक या समस्यात्मक

परियोजना विधि के दोष :-

- ① इस विधि में समय अधिक लगता है।
- ② अधिक खर्चीली।
- ③ समय-सारणी (कालांश) में समायोजित नहीं।
- ④ प्रशिक्षित अध्यापकों की कमी
- ⑤ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को प्रोजेक्ट द्वारा नहीं करवा सकते हैं।

प्रश्न-① प्रोजेक्ट विधि के दौरान प्रोजेक्ट का चुनाव किया जाता है?

- ① शिक्षक द्वारा
- ② शिक्षक के निर्देशन पर छात्र द्वारा
- ③ छात्रों के फीडबैक पर शिक्षक द्वारा
- ④ विशेषज्ञ द्वारा

B

प्र. ② प्रोजेक्ट विधि निम्न में से किस दार्शनिक विचार-धारा पर आधारित है?

- ① आदर्शवाद
- ② प्रकृतिवाद
- ③ प्रयोजनवाद
- ④ यथार्थवाद

C

प्र. ③ परियोजना विधि के जनक हैं?

- ① स्टीवेन्सन
- ② चार्ल्स पियर्स
- ③ जॉन डिवी
- ④ किलपैट्रिक

D